डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद

प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ) दिनांक 13.11.2017

वर्ष 2018 की मुख्य परीक्षाओं में स्नातक प्रथम वर्ष की परीक्षाएं होंगी ओ0एम0आर0 शीट आधारित

कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित द्वारा परीक्षा सुधार की पहल के क्रम में परीक्षा सुधार समिति की गत दो बैठकों में लिए गए निर्णयों पर चर्चा के लिए शनिवार दिनांक 11.11.2017 को सांयकाल कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में विश्वविद्यालय के समस्त पाठयक्रमों की अध्ययन समितियों के संयोजकों के साथ विश्वविद्यालय प्रशासनिक अधिकारियों की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित ने वर्ष 2018 की मुख्य परीक्षाओं में परीक्षा सुधार की दृष्टि से लागू किए जाने वाले नियमों से समस्त संयोजको को विस्तार से अवगत कराया। सुधार संबंधी प्रमुख बिंदुओं पर समस्त विषय संयोजको की राय भी प्राप्त की गई और उनसे इस संदर्भ में सहयोग संबंधी आग्रह भी किया गया।

परीक्षा सुधार समिति के विभिन्न निर्णयों पर चर्चा एवं आम सहमति के उपरांत यह अंतिम रुप से तय कर लिया गया कि वर्ष 2018 की मुख्य परीक्षाओं में स्नातक प्रथम वर्ष के समस्त पाठयक्रमों की परीक्षाएं वस्तुनिष्ठ आधारित प्रश्नपत्रों के माध्यम से संपन्न कराई जायेंगी तथा छात्रों को प्रश्न पुस्तिका के समस्त प्रश्नों का उत्तर ओ0एम0आर0 शीट पर देना होगा। स्नातक द्वितीय व तृतीय वर्ष तथा परास्नातक स्तर के पाठयक्रमां से संबंधित प्रश्नपत्रों की व्यवस्था पूर्व वषों की ही भांति रहेगी। यह भी निर्णय लिया गया कि स्नातक प्रथम वर्ष के समस्त पाठयक्रमों से संबंधित प्रश्न पुस्तिकाओं में 100 वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न पूछे जायेंगे जिनका उत्तर छात्रों को 120 मिनट के अंतराल में ओ0एम0आर0 शीट पर अंकित करना होगा। इसी क्रम में यह भी निर्णय लिया गया कि स्नातक द्वितीय व तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर के पाठयक्रमों की परीक्षाएं भी ढाई घंटे के समयांतराल में कराए जाने पर गंभीरता से विचार किया जाय।

परीक्षा सुधार समिति के निर्णयानुसार वर्ष 2018 की परीक्षा में स्नातक द्वितीय व तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर के पाठयक्रमों के छात्रों को उत्तर लिखने हेतु प्रदान की जाने वाली उत्तर पुस्तिकाओं के स्वरुप में भी परिवर्तन किया जा रहा है। निर्णयानुसार परिवर्तित उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम दो पृष्ठ ओ0एम0आर0 आधारित होंगे जिसमें परीक्षार्थी परीक्षा का नाम, अपना अनुक्रमांक तथा अन्य विवरण ओ0एम0आर0 पर दिए गोलों को भरकर अंकित करेंगे। इस उत्तर पुस्तिका के प्रत्येक पृष्ठ पर पृष्ठ क्रमांक के साथ–साथ एक बार कोड अंकित होगा जिसके आधार पर मूल्यांकन पूर्व परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिकाओं की कम्प्यूटर द्वारा डबल कोडिंग की जाएगी। यह भी निर्णय लिया गया कि उत्तर लिखने के लिए दी जाने वाली प्रथम उत्तर पुस्तिका के अतिरिक्त छात्र को बी अथवा सी उत्तर पुस्तिका नही प्रदान की जाएगी।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि स्नातक प्रथम वर्ष की वर्ष 2018 की परीक्षाओं में छात्रों को प्रदान की जाने वाली प्रश्न पुस्तिकाएं तथा अन्य पाठयक्रमों की परीक्षाओं हेतु प्रेषित किए जाने वाले प्रश्न पत्र टेम्पर प्रूफ लिफाफों में प्रेषित किए जाएंगे। पालीथीन के इन लिफाफों की विशेषता यह होगी कि इन्हें एक बार सीलकिए जाने के बाद दोबारा खोलना संभव नही होगा, ऐसे लिफाफे मात्र काटकर ही खोले जा सकेंगे।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रयोगिक परीक्षाओं को मुख्य परीक्षाओं के प्रारंभ होने के पूर्व ही संपन्न करा लिया जाएगा तथा इसके लिए हर महाविद्यालय को प्रत्येक प्रायोगिक विषय की परीक्षा के लिए परीक्षकों का एक पैनल उपलब्ध कराया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अगले पखवारे से उक्त परिवर्तित व्यवस्थाओं के संदर्भ मे जिलावार महाविद्यालय के प्रधानाचायों व प्रबंधकों व शिक्षकों के साथ कार्यशालायें आयोजित कर उन्हे परिवर्तित व्यवस्था से अवगत कराया जाएगा जिससे समय रहते वह अपने यहा नामांकित छात्रें को उक्त परिवर्तनों से अवगत करा सके।

परीक्षा नियंत्रक एस0एल0 पाल ने बैठक मे यह भी सूचित किया कि वर्ष 2018 की मुख्य परीक्षाओं में सेन्टर स्वेपिंग की व्यवस्था लागू किए जाने की दृष्टि से महाविद्यालयों से गत माह प्राचार्यो व शिक्षकों की नियुक्ति सहित संसाधनो से संबंधित कई बिंदुओं पर सूचनाएं मांगी जा चुकी है। इस संबंध मे जिन महाविद्यालयें ने सूचनायें नही भेजी हैं उन्हें पुनः एक अनुस्मारक प्रेषित किया जा रहा है। परीक्षा नियंत्रक ने यह भी बताया कि परीक्षा सुधार समिति के निर्णय के अनुसार उन महाविद्यालयों को सेन्टर बनाये जाने पर विचार नही किया जाएगा जिनके प्राचार्य अथवा नियमानुसार निर्धारित संख्या में शिक्षक अनुमोदित नही हैं तथा जिनके द्वारा विश्वविद्यलाय को उक्त संदर्भ में अपेक्षित सूचनाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं।

मीडिया प्रभारी